BGYCT-135

सत्रीय कार्य पुस्तिका

विज्ञान में स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.एससी.जी.)

शैलविज्ञान

1 जूलाई 2020 से 30 जून 2021 तक वैध

सत्रांत परीक्षा के लिए फार्म भरने से पहले सत्रीय कार्य जमा करना अनिवार्य है।

विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

(2020-21)

प्रिय विद्यार्थी,

कृपया सत्रीय कार्य से संबंधित अनुभाग स्नातक उपाधि कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका में पढ़े, जो हमने नामांकन के बाद आपको भेजा है । उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग है, उसे कृपया पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं सतत मूल्यांकन के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको इस पाठ्यक्रम का एक सत्रीय कार्य हल करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है और इसमें दो भाग हैं, **Part A** और **Part B**। दोनो भागों के कुल अंक 100 हैं, जिनमें से उत्तीर्ण करने के लिए आपको 35 प्रतिशत अंक की आवश्यकता है।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

इससे पहले कि आप किसी प्रश्न का उत्तर लिखें, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के आधार पर विवरण लिखें।

नामांकन संख्या : ....
नाम : ....
पता : ....
..
पाठ्यक्रम संख्या : ....
पाठ्यक्रम शीर्षक : ....
सत्रीय कार्य संख्या : ....
अध्ययन केंद्र : ....

दिनांक : ....

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गये प्रारूप का सही अनुसरण करें।

2. अपना उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप कागज़ का इस्तेमाल करें, जो ज़्यादा पतला न हो।
3. प्रत्येक कागज़ पर बांयें, ऊपर और नीचे 4 से. मी. की जगह छोड़ें।
4. आपके उत्तर स्पष्ट, सटीक और अपने शब्दों में होने चाहिए।
5. **इस सत्रीय कार्य के Part A और Part B को हल करें, और Part A और Part B सहित संपूर्ण सत्रीय कार्य को वैध तिथि के भीतर अपने अध्ययन केंद्र में जमा कर दें।**
6. **सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका नियत तिथि के भीतर आपने अध्ययन केंद्र पर जमा करें। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त उत्तर पुस्तिकाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा।**
7. हमारा सुझाव है कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।
8. यह सत्रीय कार्य **1 जूलाई, 2020 से लेकर 30 जून, 2021 तक वैध हैं**। यदि आप इस सत्रीय कार्य को जून, 2020 तक जमा करने में विफल रहते हैं तब आपको वर्ष 2021–22 का सत्रीय कार्य करना होगा और कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार इसे जमा करना होगा।
9. यदि आप इस सत्रीय कार्य को जमा नहीं करेंगे तो आप इस पाठ्यक्रम का सत्रांत परीक्षा फार्म जमा नहीं कर सकेंगे। किसी भी पूछताछ के लिए आप कृपया संपर्क करें : kakoligogoi@ignou.ac.in, meenalmishra@ignou.ac.in ।

हमारी शुभकामानाएं आपके साथ हैं।

सत्रीय कार्य
शैलविज्ञान

पाठ्यक्रम कोड : BGYCT-135
सत्रीय कार्य कोड : BGYCT-135/TMA/2020

कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न हल करें। प्रत्येक प्रश्न के आगे उसके अंक दर्शाए गए हैं। सभी उत्तर अपने शब्दों में लिखें; पाठ्यक्रम सामग्री से कॉपी न करें।

Part A

1. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखें :
   a) शैलों का वर्गीकरण (5)
   b) कणिकामयता (5)
2. आग्नेय शैलों के विभिन्न संरूपों को स्पष्ट रेखांकित आरेखों की मदद से समझाइए। (10)
3. बॉवेन की अभिक्रिया श्रृंखला की विस्तार से व्याख्या कीजिए। (10)
4. स्पष्ट आरेखों की मदद से ग्रेनाइट के शैलवर्णना लक्षणों की विवेचना कीजिए। (10)
5. पेरिडोटाइट के स्थूल तथा सूक्ष्मदर्शीय लक्षणों की चर्चा करें। (10)

Part B

6. अवसादी शैलों की उत्पत्ति में शामिल प्रक्रियाओं की व्याख्या कीजिए। (10)
7. निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए : (5)
   खण्डज और अखण्डज अवसादी शैल (5)
   सीमेंट और मैट्रिक्स
8. कायांतरण को प्रभावित करने वाले कारकों की संक्षेप में व्याख्या करें। (10)
9. प्रादेशिक कायांतरण के विषय में विस्तृत चर्चा कीजिए। उदाहरण दीजिए। (10)
10 निम्नलिखित शैलो के स्थूल तथा सूक्ष्मदर्शीय लक्षणों की व्याख्या कीजिए :
. a) बालुकाश्म (5)
   b) शिस्ट (5)